なるなのは

অথ শীরাসগকখ্যার নামক গুইঃ। ছিল পিতাইরকত্ক বিরচিত।

-

প্রিবনমালি প্রামাণিক ও ব্রী জীনাথ দভের ক্ষিকাত।

निवाहिंगी याज याजिक एईन ।

এই পুত্তত খাছাদিগের পুয়োজন হইবেক উল্লান্তাম শে ভাবাভারের বাজসার উল্লান্তাম শে ভাবাভারের বাজসার করিকেই পাইবেন।

मन १२६२ मान छात्रिय २४ टिवाई

श्रिश्चित्राचाक्क डाग नमः।

जब जीतान शकायाता ॥

मुनारात मातार मातः छिङ्कन भारावातः निषास काक्षणमञ्जीरवा श्रीमण्डाभयण नामः क्षनीता भूग धामः भूकाम महिमा क विश्वदित ॥ दाङ्गिषिक कन भाखिः मृत्रा भोतमपुङ्गिः भागतानि कत्रद्म ध्राप्तन ॥ धारे ति वहारमत छिङ्गिः कृभाव ना सम् छिङ्गः करत्र (यदा भारत भूकान ॥

भरात । हजू वं म भाद भी गृता गण्यता । जा गण वज्य व भवा म क्वा। जा मार्य कि विदा जा गण म कि विदा जा गण म कि विदा जा कि वि

भामनमाङ्गेष्ट्रवित । जायगो ठत्रग कग थात सहकाति॥ रेयस्थ्यमध्यत्र कुमा य स सहकाति॥ यपि भाति जागवङ

निकु जुँ तिराद । स्वरगु क अत्वत (माकक ति छेन आ अ भकार का हात स्वर्थ के तिनु मुका मा। भूशा गत क्व कि भाग मक कि कात । आ छाय मुका मक ति कि तिन दक्त ॥ विरुद्ध का विक वाकः ना हरवपूष्ठ । यूना स्वर्थ मुका मिस वह भूरगा खन ॥ हरस्य विष्ठ के का का मान विश्व गन कि दिन का शिका शिका शिका विष्ठ विष्ठ मा कि ति मा

শ্ৰীসম্বাদর য় শিক্ষাত।।

ভগবান गिडादाबिः गांतरमार यूझ मझिकाः। योक्त्रिकः, मनःक्टकः, (यागमाग्रा मूलान्निकः।)

वम्ही का भूमवानि व्याम छ राश्वन । छाहा बन्द न छक करहन वहन । छन्द्राक्षा वृक्षार छ द्रमाथ छ श्वान । छाही कुछ निभाशन एमचि विप्रमान ॥ भादम भूदर्श (नक्षा विका न्यारमापिछ ॥ शाशिका शरनंद्र हिंछ क्रिडि व्याहिछ । बाम बर्द्य क्रिशिब छ मन्द्रमाहन । शाशिका मुख्य मरथ्य क्रिव विकासना । यमा सास व्याहिष्ठ विका संग्या । (मह निष्ठ स्वाग्ना सा क्रिव सा क्षामुद्र । उत्ताक वाकः करें स्मूर्थ श्रीहार्षि विष्णत कर्णन महिमा। महस्यो नासूम शाह्य (हास्स्मा। श्रिक्षः श्रिक्षास्य सिकंत्रमनः॥ २॥

हित्रमिन शद्य का छ न्या श्राष्ट रिया य रथ कर्त्य कर्त्य क्ष्यूय (वर्शन । उस्ति छथन क्ष्य महायका त्रस्य मुधाकत मूथकत कत्र शुमात्र (१। श्रुवापि शक्ष्य) यूथ च्यत्र (१ तक्ष्य । क्षिण्यात्र (वत्रिशीत (मा विभिन्न । छत्य क्ष्य मान्य श्राण । क्ष्य यानिया मन् खिल्या क्ष्य मानिया भरत

দৃষ্ঠাক্ষ ছন্ত মথগুৰগুলে রমাননাত্র নব লক্ষ্ মাকণ । বন্ধতে কোষল শোভিরপ্তিত ।। তলোকল বামদ্শাণ মনোহরণ ॥ ৩॥

नरक्ष्यु यह शुश्च व्यक्त कित्र ।। कमलाह मूथ गुन्।
भगान वहा। मूशू वं क्ष्य म वक्ष्य छोम छ स्टेश । पिथि
रगाविरक्त मरन छेझाम बाफि॥ मिन मोठ कित्र पा
रमानि वृश्वादन । पाथिश क्षिक्ष श्रेष्ट पर छथन
बुबाक्नाव शुन्थन इह प कित्र छ। कित्र प्रमान

निमान्। भीउ९ उपनथ रक्षन्।। युक्कियः क्छै प्रीठ यनभाः। भाकगः। इति।। इति। पृश्वाः। गयकगरिः। क्वरणाम म्थनाः। । ।। কানকলার বন্ধক প্রীক্ষের সন্থাত। গুলি বুলান্ধনা গন হৈলা চমকিত। যথায় গোপিকা কান্ত জাছীল কাননে। তথাউপনীত হইল উল্লাসিত মনে। সগতীর আগজন বিগুণ ভাবিষ্যা। পরশর সজ্জাকরেসংখ্যোলা ইয়া। কৃট আকর্ষিভাচন্ত ব্তেকল্মনলা। সমুষ্পানা ভাক্ষে চঞ্চল মণ্ডলা।।৪।।

পুৰুষ্টাছতি যথুং কালিচাছে। হিছাসমুৎ সুকা পশোহৰি সভাসং যাৰ মনুঘাস্যাপরাখযুঃ ।। ৫।। মনের উৎ সুকৈ কত বুজের রমনি ।। ত গ্রেল্যা দোহন কথা আইলা তথানি ।। কেহু বা করিতেছিল পুরু জ্যান প্রবারাখিয়া চুলির মধ্যে করিলাগ্যমন।। অলব গো পিকা স্থাসলেন সেইক্ষণে। নিস্পন্ন যাবক অন্ন রাখি ছতাশানে ।।

গতিবেশ বন্তান্ত ছিত্ব। পায়য়ভাঃ শিশুন পরঃ
শুলু মৃত্যা পতিনকাশীদশ্ভোহপালাতভালন।
কেই বাক্কেতে মন নিবিষ্ট করিয়া। পরিবেশ নিজ
কথো বিরত হইয়া। শিশুতব্যধরেপয়েয়বর লম পিয়া
না হইতে তৃথি তার অমনি তাজিয়া। কেইবা করিছে
ছিলপতির নেবন। কেইবাপুর্ভচ্লিকরিভেডোজন
সংক্তেসভীতশুনিগোপিকাসকল। উপনি ত কইলেন
শীরাস মুপ্রেল। ৬।।

निल्लास्त श्रमसारक प्राम्हणा स्वाद्या साम्हणास्त वार्ड स्वास्त्र मान्त स्वाद्य स्वाद स्वाद्य स्वाद स्

তাবাৰ্য মাগাঃ পতিভিঃ পিত্ভিভু ত্ৰশ্ভিঃ গোবিসাগ ছভামানোৰ-গ্ৰন্ত মোহিতা ৮

ক্ণ শাক্ষিতমন। হইয়া বিহালা। ভালি গুৰুত্বন ভয় মত দল বালা। পিত্মাতৃ সূহত পভিন্ন নিবারণে। তথাপিনবৃত্ত নহে কৃষ্ট দর্শনে। ৮।

कडण रगणाः का किएसारभागव विनिर्भगाः।
क्ष्ये एखादना व का प्रयुत्या निक लाहनाः। अ।
कर मस्या क्षा वाकि नाभास्य निर्भगः। यस्क क्षाः
किना गण गनियाविषय ॥ क्रियं एक कर्ष्ये यन क्षित्रया
निदिभ । यूष्टि नयस्य शास्त्र नदेवत्र (वणाः अ।
पूर्वर रम्ह वित्र छो वृज्ञाभ यूजास्थाः। यस्न
भाशाह्याः (स्विनित् सा क्षीभ्यक्षाः।। ३०॥

भीक्रिके स्थान है विश्व छीतृष्ठांश । जार्गाण विनर्धे रिका अध्य कंताश। ग्राह्म थाकि यहारन शाहिश हिन श्री है शाहिश कंताश । ग्राह्म थाकि यहारन शाहिश है शाहिश है से से शाहिश है से शाहिश है

ভবেষ পর্কাত্রান আরবুদ্যালি সংগ্রাঃ।

ক্রেলুণ্নত্ব দেহণ সদ্য় পূকীণ বন্ধনাঃ।। ১১।
উপপতি জ্ঞানে গোপের রমণী। পরস পুরুষ
কক্ষে মিলিয়া তথনি।। শুভাশুভের ভোগ্যত করিয়া
খণ্ডন। পঞ্জু কময় দেহ করিল সোচন।। ১১।।

্ শূলিরিক্ষীভোবাচ।

ক্ৰণ্ বিদ্বপর্শ কাউশ ৰ ভ বুক্ক ভয়া মনে। গুণপুৰাহো পর মন্তাসাশপুণ বিয়াশ কথা।। ১২

शिवकोटित निर्दर्भ छन मूनियत। शाशाक्षमाञ्चान कृष्ण शिक्ष मरनार्क ॥ वृक्षतुर्भ नांखानिया किर्णम् । भाषा। इराटि स्थानात रेश्म स्थिक म् भाषा। शाशि कात शूर्ग वृक्षिन। स्ट्रेटिक म् । शूर्भय (मह छ । ब्रिटेश्म क्छे मन्ने ॥

-co-(I)-(dilliparion)-co-

भी छक न्वाह।

नुक १ शूर लाटक उटक टेटक १: निकि र यथा गराः।

ভ্ৰায়স্যা প্ৰেষ্ম্য নিৰ্গণস্থ গুণাত্মনঃ !! ১৪ গুণের নিয়ম কভাষিনি ভগৰাম। ক্ষয়োদয়হীনথার নাহি পরিমাণ । ভীবের নিস্তার হেক শুন নুপ্রর । লীলাপুকাশিতে পরিলেন কলেবর ॥ ১৪

কামণ কোধণ ভয় ভেছ মৈক্যা বেদাহে। বিভাগ হরে। বিদ্বভোষাভিত্যয়তা কিতে। বিদ্বভোষাভিত্যয়তা কিতে। বিশ্বভাষ ভয়েতে ক্ষেতে যেইজন। মনের নিবেশ করিভাবে অনুক্ষণ। প্রেমপুরঃসরে কিয়ায়জন বলিয়া ভাবয়ে সর্বা চিভেভজি পুকা শ্রা। বেকোন পুকা রে চিভিইয় ক্ষময়। কহিলাম সারাভ্যার নীহিক

্যাগেশ্বরে শ্বেক্ফেয়রএত দিসুচ্যতে॥ ১৬

नाकरहा न्याण्टरी (वाष इत्थ नद्भवत्र। भन्न म शूक्षकृत्व একোন বিশুর। ভিলোকের নাথ যিনি যোগেদের भति। योहा क्षेत्र मुश्रम् स्वत्र भव्यक्ति॥ १७

जाम्है। डिकमानाडा उगवान वृत्रस्याविकः। व्यवसंवित् । व्यक्तिकः दिल्ला विद्याहरून । ३१ भरबत्भुखाद एश कर्राष्ट्रभावन । जनमोक निकर्तिगरक (माभोगन्।) (मथिया में क्रिकेन्स बहन विनादन । (मा रिज कतिया किंदिलन भ्रूवारम।। ১९॥

मी अगर्वा द्वाछ। . बागड (वामहाजामाः जिन्न किन कहवा निवा वृष्टम्। नागशः किंव जागमन काउन्।॥ १४: সুখে আগমন বটে গোগ বারাস্থনা কহ ভোমা ,সক लित मत्मत यामता॥ कतिय भूतप चामि कर अज्हाल किया उपिष्ठ कामसमीछ (गोकुला॥ किवाइन गहन কাৰ্নে আগমনা কই বিশেবিয়া সৰে করিবশবণ ম वक्तावा (धावक्रा) (धावनव निर्वावका। शुन्धिक युन्न (मर (एश्की कि: मूनप्रमाः। ১৯ निक्छ रहेश। (गाभी ना निक्षि उत्र। कृद्दन (भानिन

भुकाणिया मृगुःसत्।। এইछत्रस्ती त्य चाछ छत्रसत्।

माधना क्रोबर बट्ड ज्यि हिन्द्र । कित्रिया हिस्ट उ यो द वस्मीन छन । त्यरैनात वाग त्याना नटर अरेशन

्रे मार्छतः शिङ्यः मुधा छ। छतः भल्या करः।

विद्वाधिक निर्मात्ति यात्वर रक्षेत्रावित । १०१ याचा थिला गूर्थ मत्त्रापत निव्यथित। त्वायापित्यसी ए थिया १८त्रवाशुव्यक्ति। कदित्वति व्यक्षिय शुद्धाक करत । नाकतिक पृथ्य क्य काशित्य शत्री। २०

एडे॰ दन 'अन् घड़े॰ इंटिक मन में इंक्रिडें । यम् गानि मनोटेन मन में लोकि एक्षीय (माजिक १॥२)

कर्त नित्रोक्ता। (प्रथिया श्राधिक छाइन करम्ब यहन कर्त नित्रोक्ता। (प्रथिया श्राधिक छाइन करम्ब यहन (प्रथिक्ष क्रम् प्रथि श्राधिक वृत्तावन। लूक मण्या भ्र कर्तक क्रिक मरमास्त्र। यसुनाय संस्टिन क्रिक छत्रवेत।।

कम्। डवाहित १ (शाहर्श्वम्वर् । अर्थान्य । कम्म वि सामावक नाम्छ । वंशक्ष निवर्ष का २२

चाउथव या ७ मीज व्यानन का गाउँ । मीज स्मान भारत । मीज स्मान भारत । का निवास मान स्थान का विकास निवास मान स्थान । का निवास मान स्थान । विवास मान स्था । विवास मान स्थान स्थान । विवास स्थान स्थान स्थान । विवास स्थान स्थान स्थान स्थान । विवास स्थान स

•बागकश्राम पश्चिमहाख्यदश्याद्विष्टामहा। •बागकश्राम गणपः भूगिरद्य महिक्यस्यः। २० কোনে স্বধ্যকিসব দেখি শোপ গলে। স্ববিদ্ধান্ত কৃষ্ট মধুববচনে । যদি তেই জাব করি স্থামাতেসকলে বলীভুড চিত্তেস্থাসিয়াই কডংলে। উচিত কহিলে সংক্রিসংশাহ ইহাতে। বেহেড় সকল জীবে ভুটিস্থাম। হৈতে।।২০।।

खरु खन्य का अवा श्रीका । खरू नाष्ट्र का अवा अः श्रुवा ना का नृत्राविकः।।

এই সে নারির কমাপ তির সেরন। জ্বারলতিবদু গ নের[সেবনপালন। জ্বকপটে সম্ভানেরভরণপোখন। শু ন গোপাজুরা এই ধ্যেরি কারণ।। ২৪।।

मुश्निरका मुर्जामा वरका कर्णाद्वा गा श्रामिता।
कृष्टिः ह्यां जिनका जर्दि। स्वादिक मुख्य भाष्टिक । २०
निक्ष जा विक्तिमिन मृश्चित्रा ख्या ज्या मकन का
राँ। वर्णाबर्ट विषय ॥ अहे क्शविम भाँउ क्या भाज कि
क्षा जा का नावित्र भावताक ज्यासीका। २०, ।

ल्येशाम्याक्ष कनगुरुष्ट्र स्थावरुः। जूनगमित्रक्ष मद्वारकी भगाना कृत्वासः॥ उज्ञिश न्याननगित (सर्वनावित देनान क्षाद्वाः निवनद्या मिति। क्षात नार्या ठाव स्था न्याद्वाः इन। रुष (मादकन्यकोति शास मद्वाः) नारि उष्ट रक्षकत्र भौद्राज्ञासस्य । व्यक्तिमनिष्ठ अहे माद्र अ

मदगाद्दमा १ । तामशिकात्वानु को है ना छ । नड्या गोर्क ने शिकाक छटक महाना। ५१ मदगको न महानस्य न त्यम । छेन द्वाया ना दक्ष नत्वक एक है। अब महियादन खन (मान्या प्रमान

शिखकवाह।

ৈ ইতি বিশয়মাক**র্জ্য গোপ্যোগোরিক্ত ভাষিত**। ি বিষণাভগনগ**ন্ধ লগাশ্চিন্তামাপুর**ক্তায়াও । ২৮

শুক বলে এইবংপ কপটকরিয়া। গোবিন্দ বলিলা য দি গোপিরেদেখিয়া।। গোপিনান ভাছাশুনি বিষয় হ ইল। সন্ধাপভক্তে চিন্তামহতি পাইলা। ২৮।। কল্বানুধান বেশুচঃ শ্বননেগুবাছিয়াবিরানিচরণেন

্ভৰত লিখ্যকে:। অনৈকপ অম্বিভিঃ সচন্দ্ৰ মানি ভিত্ৰু ক্ষন্ত নক দঃশভরা: মন্ত্রীত।। ২৯।।

्रिश्चान क्षान प्रमाण कार्या कार्या

रेक्या त्राह्म भूभवात कुर्ह्म कुष्ट्म (कोड , रर्ड्स्ट अन्त्राच स्मानरेश्वा व्यवस्थित हर शामिश्य । नारिशास्त्र (गा विल्लास कहिर्ड वहन ॥ २३ ।

वित्नद्ध कहिए वहन।। २०।

है, जिल्दिक कि मिन शिक्त विश्व कि उपर्धिन

किर्दाक कर्मा वर्ष । तिथा विभ का कि मिर जा शहरक

व्य किथि उ गर्म जाम शिम्हिल कर विश्व के ।।

व्य कि गीर्स के जाम बहु स्थान। वहन बाल स्व का का का का का का ना । द्वा पतन

का विम ति के विशेष किना । देश के को त्या के मान का विम के कि को विशेष के किना है किना है

বৈবি বিভাহতিভ্যান গদিত। নশ্ভান নত জ্যা সহবিষয়া। তৰপাম মুখানা প্ৰক্লাজক্ষণ বৰ্ণহ লাত জো মান ছেবো মুগা দপুরুষোজকতে সুমুম্বুল গোপিশণ কৰে ভনভকে নাহায়ন। ভোমার বজর। নংই দারণ বচন । ভাজি মব প্ৰয়ান বিষয় কাল্কা। ভোমার চরণ গদা করি ন্যারাধনা।। সদৃন্দ পুরুষ ভূমি ন্যামানভাকার। পুণকর আশানা করি ভগরিহার গ श्रीकृष्णिक्या विकास विजय क्षित्र मुख्य न । त्यक्त्म क्ष्मा व

- লক্ষ্য প্রতিষ্ঠানি । অন্তের সৌনা প্রতিষ্ঠানি । অনুষ্ঠানি । অনু

शिक्ति न्ति निवास । जिस्से । जिस्से निवास । जिस्से विषे के जिल्ला कर्ने । जिस्से के जिल्ला कर्ने कि जिल्ला । जिल्ला कर्ने के जिल्ला कर्ने कि जिल्ला । जिल्ला कर्ने के जिल्ला कर्ने कि जिल्ला । जिल्ला कर्ने के जिल्ला करिया कर्ने के जिल्ला करिया कर्ने के जिल्ला कर्ने के जिल्ला करिया कर्ने के जिल्ला करिया कर

কুষ্তি হি ব্রয়ি রতি কৃশলাং শ আহামিত গুলুমে পতি সুতাদিভিরালি দৈকি। তত্তঃ পুলিদ মহাংহয় ভ্রমামাড়িকা গুলাল। যুতাত জ্যিতিরাদ্র বিশ্ব

পাত্রজ সকলে ভোমায় করে রভি মন্তি। ওহে পর মাত্রাক্ট ভমি পি মুখাত। পতি পুত্র মুরিদেভেক্তির প্রোধনা ভাহতে কিবল লোক দুক্তেমভান্তন। ভূম বর পদ হয়ে অগভ ইয়র। স্থানা স্বাক্তারে হওপান क्ष्मिन्त्री। एकामग्राक दिवाल कालाका क्ष्मिक वि (वहन छन ७८३ नलिन नग्नन। ७७।

निक् वन उप श्वाम् छ भ द्रदिन हामावरणाक कल बीकु बिद्रिह्माणनि । त्नार्ट्यः वित्र ह्वा गूण्यु छ रेप के विद्रादिन वान भए द्रयः शप्ती । मरथर छ। ०৫ छ क् क्यना मतिर्या छव हामा करेगक मुद्रत व निक्ता कत्र क्यना मतिर्या छव हामा करेगक मुद्रत व निक्ता रमा क्विंग्छर ह स्वानक शाभावना गतन यिन्धा छि नाहि क्त्र हरेट्य निक्या विवर पहने पार्ट्य पह छम्। महि क्ष्र हरेट्य निक्या विवर पहने पार्ट्य पह छम्। महि क्ष्र हरेट्य निक्या विवर पहने पार्ट्य पह छम्।

्रेग्। युवाक छद नाम जनभातमात्रा महक्कां अक्किए ं जग्रबन शि यंग हा न्यान्याकट शृ ॐ जनानअसम्म ः अवश्यापुत्रवाजितियञ्च विकारकात्रामः। ५०५ যথন ক্ষুত্ৰৰ ভব পদতকাৰ লাইমার কেবিভয়ন কো ভিসকোমল । সেবিভাল্পিকবেবজ্ঞারণ্যে এখন। ও (इन्द्रन क्रम क्रिय समनद्भाक्षम । उपत्ति व्यन । वन । . मनिवादन । थाकिरजनाभात्रिमाथ जनानभूपरन ७७ । ब्योयुङ अपद्व स सक्क करमञ्जन महा लंका भियक नि शराकिण ভृष्टाबुष्ठ। यम्। सः विकान कृष्टा मृत ा राम् अपन्य का का प्राप्त कर अपन्य । जन्म যেইকনদার অবলোকন্ডারণ। সভত পুর্যে করে षम् (एवगर्। (इन शह्या (जामांत रापरा स्ट्री हिक्रिः चन। मां उत्नत यथ। न। इस वस्ति। (यह शाहतक निडा जून मि (नवहरू । एक गण्यारा निक्र मिन्न कर्रास ॥ হেন পাদরজ পদ। তুল নিরুমনে। সেবন্ডারতে নিত্র ৰাঞ্ছাকরে মনে। সেইকুপ বাঞ্ছাকরি সব গোলিশন্। ভব্ন পাদ পদ নিভ্য করিতে (সবন) 👏 🗆 👍 🔻 তল্পাসদ বৃত্তিনাদ্দতে বি ুম্ল পুৰাবিস্কাৰ ল সভিতদুপাশ নাশাঃ। ত্বং শুদরে যিত বিরিক্ষণভীকু काम ख्खाञ्चना भूतव जूयन (किमाना १। का **७८२ पृथ्य विनामन यमाप्ता नमस्य । सामता अन्य**क र्भाशि छ। विश्व छवन। रहायात्र छवन स्थामा भाषरः कत्रिमा छव भामश्रेष नाथ भारेनाय स्वानिश। रङ् भार पूर्वत्र क्षेत्र) मछित्र हार्गन । छोर्ड, छोत्, कार्य एक्ष इस्त्र लालिया शूक्य त्रुष्ट क्ष्य मक्ष्य कान्य रभाभिक। सकरण मानिकत्रिक्षा त्राध्ये। अन्य

न्याः समिकार्यक मधः उत्तवश्चन की शख्यावर्य नुषाः समिकार्यामान्याः स्थाप्यस्य ज्वास्य प्रमाण

विशाम। व्याहः भिर्यं कंत्रमेनश्चे उदामहामः। ०%' व्याह्म व्याहम व

काकाक्ट क्रमणसम्ब (वर्ग भी क मरणा कि वर्ग इतिकाम हरन विद्याका १ दिश्यांका भी जग

मिम्प नितासका स्मे यटमंगा विख्यायमा। शूल काना विख्या माना श्री काना विख्या माना श्री काना विख्या माना श्री काना विख्या माना श्री काना विख्या माना विख

विष्युद्ध रहन (करा चाहर युका मिन। साचित ना हरा ठव रवण शोख खान।। रैवालाक। साच नक्ष प्रशिक्षा नयुद्ध। स्कोन नम्भ साहि छ। मरश्च छुत्दन। कमच १२ वृष जुना। छनि रवशूद्ध व। शुक्काक्ष हर्थ (यून्स्मण को जुने।। इन्। ষ্ঠত ভবান সূত্ৰভাৱি হারাভিদ্বাতা দেবো ধ্যাদি পুরুষঃ স্রলোক গোপ্তা। তমেবিধার করপক্ত মান্ত বদ্ধো তপ্তরনেযুদ্ধ শিরঃ সূত্র কি-ক্রীণাঠ 1.8১।

मुद्रधारमञ्ज ७ ग्र पृथ्य विनाम काद्रण। (शामरल इर १ छ व्यामि घटणामानगरन।। रागरपद्रशरपदत्र आस्टिड नाता भग।। नानाकृश स्ति व्यामि शुका निस् इन। १६८६ पिन वस्तु १३ (डामात्रकिस्ती। महागटन ७ छन गहिट उन। भाति॥ कद्रणप्ति प्रशासन विषय मिडन।। मकाबस म रक (पर अक्त कमन। 8)।।

श वा कृष्टिक हा

हैं कि कि विश्व कि जाना में को त्याद ग्याद में देश ।।
भूमका निर्माण (गाणि को ज़ियादार माण को के का प्रक्रिया कि के का कि प्रक्षिया के के निर्माण के निर्माण के निर्माण के निर्माण के निर्माण के निर्माण के के निर्माण के के निर्माण के के का कि निर्माण के कि

काणिः मरमकाजिकमात्रकि छेङः शिरम करनाक सूत्र मूची जित्रहुर्जः। नूनात्रशमधिकवन्त्रमी विश्व गुरुष बादबाहरेडनाइ हैदवा कु जिब्र का 8 का।

ित्र एत भारत भागित्र त्यांभीयन । जाहारत त्यक्तिक देशेन यरमामानन्त्र ।। कठित चेमात्रहान । प्रधान काकि

তে। দশকসুমের কান্তি ধরেন লিলাতে ॥ গোলিগণে বেটিত শেট্তন ভগবান ॥ শশহর যেন তারা মধ্যে শোভা পান। ৪৩॥

উপণীয়মান উল্লায়ন বনিতাশতৰ প্ৰথ।
নালা স্থিত ক্ষেত্ৰ বিহার। বৈজ্যন্ত মালা
গলে শোভা পায় তার। কিনিয়া কানন শোভা করেন
ভূলণ। রমণে য়মনী গণে করিয়া ভোষণ।।

गम् गाः भूनिन साविष्य शाली जिस्स्वाणुक् । ज्रे अडर जानिष्य कुमुमारमाम वास्ताः 80 ॥

यमनाणुनिन निया (गाणिकानश्च । या हाट्य (माखि ११ स्मितालूकाणिक।। उद्गल उद्गल मगूपिनी वानिस्छ डाहाद बार्साटम तासूत्र मृगणिक। १६८॥

वाष्ट्रभात्रभवित्रस्वकत्राणिकावनावीसनावासन नयनवामुभारिका (क्या ग्रावरणाक वितिक्य स

मुन्दिशी मूड स्वयन्त्र जिल्ला निवास कार्याः १८७ दिकात करतम क्षित्रालिकात ज्ञान । बाक् लमातियाः धन व्याणक्त पारम्॥ करत्र ध्वाधित करत्र को खरक जूबन करत्र मूर्थ व्यवस्क सम्बद्धाः केक्नियो क्षमध्य

क्षेत्रहास होता । नश्रद्धशा संघान करदन श्री इराम ।। वर्ग তুন কুরেন ঘন রমণ পঞ্জিত। গোপিকার রতি পতি सद्द्रम छेपि छ।। खरिला (बालिकागरण इसण इस्तरण ন্ধান্তরের রিকি ভরণ সকামেতে !! ৪<u>৬ l</u>! ্ এবং ভগৰত- কৃষ্ণাল্লক মানা মহাত্মন। আত্মানা 📢 ু মেনিরেক্তীণাণ মানিরেয়াছভাষিক) ভূবি॥ ৪৭ ॥ ় অনাশ্ক চিনহুৱি নন্দের নুদ্দন। তাহাটেনতে গ্ৰেয় मान घडरणाणीगन्।। स्थर मानिन गृह यानगा नरू লে। আয়াসরাকার তুল্যকেবা ভুমগুলে।। ৪৭॥ खामा उट्यों अगम विकास विकास विकास नुनवात्र भूनामाय ठरेववासदयीयक ॥ १८॥ - त्रीडम सरएर्ड बढरेंड्न लाशोगन। क्ष्ण्डाहात्रि স্ত্রা ভাবেন মনেমন।। গোপী সবাকারগছকরিবংওন शाहि व्यन के कदितित एत्रमन्।। এङ्जावि क्कान्स् देश्ना च छक्षान। कृष्णना एम् थिया मर्द्य शिक्ता (ब्लान ়ে ইভি জীভাগবতে মহাপুরাণে দশমককে রাল कोजाब्रस्थानाच अरकानि १८ना रुपात्रः প্রশাসকরেতে রাস কীড়ার বর্ন। উনত্তিপুল্লখ্যায় रहेन स्याशन।।

बिखक देवाह।

च्छरिए उन्याजनरीम युवाक्ता । व्याजना ।

गर्छ। जा श्रिक्ट विष्ट्राकिट ज्या देश विष्ट्र श्रीकार । ज्या क जिल्हा श्रीकार में । ज्या क जिल्हा श्रीकार ॥ श्री

कमनाशिष्ट्र शिष्टं चेन्द्रांश भिरुष्ये जिन्न न योगन जीनाय । किंद्र चेन्द्रांशशीठः की जा निर्माणि मोड के डिटिंड दिन (गोली भाषा)। এবেডो द्विमाप थिया क् स्मेन चोट्रांशियाः क्सिट्टो क्ट्रिटं जा गिन त्राज्यसम्बद्धां क्रिक्ट करहाईकाः (महेनद (गा भिन्ना किंद्रांशियाः क्रिक्ट करहाईकाः (महेनद (गा

গতিখিত শেকণ ভাষামুখিশ পিয়া ক্রিলাপত কা মৰ্ম । অসাবহতিত বেলাভ দাবিকাল্যকে

क्रिके बाद्या निका किन्द्रः किहानि गान तीलः क्रिका नगान (गाभीगग्रा क्रिट्टा बद्या पित्राः (बंद्रा न कान्त्री। देशाः बदनर कद्र न कुमग्रा । मह क्रिका श्रक्तिः भ्यस्त्र बाद्दित हेतिः त्र देशका बाद्या मन्त्रान । प्रथान मनान बद्दाः (पृथ्य वसङ्ग्रिकाराः जिक्कारम्य क् क्ष्मां बान्।।

म् हि. दः किन्यं शनकन्। रणायाना मनः। नन्त

मून्निक द्वार्भ्यक्तावरणाकरैनः।। १।।
धनरक अथवेर्क मार्ग्य महत्त वक्कः नन्तम्द्र स्म रथह्यभव्य। होत्रमम श्रमाहितः स्मिनियन हृत्रिकेति रभक्षमा महत्वहरूतक।। १।।

कहिं कुर्वकारणांक नार्श्यांग ठेकोकाः। तामा नुका मानिनीना १ ग्लाप्न प्रश्निकः। ७ १ जल्माक्रकाकनांगः कुरुषक (क् भूगांगः तास्मत्र जनूर **XX**.

किट्राचित्व। महिननी सरमज्ञान : शिनश किशार्थन श्राहेशा शिन करे इत्न ॥ कर्म

कृष्टिक नीकन्नानि (गानिन्त्र हत विष्य । कर ब्राह्मक जो ब जके उपर जिल्ला हिंदा है। कर । वा क्षा के जा भी रहा । जा कि कर विषय है कि कि कि क्षेत्र मारू । या कि कम कर रहा माया विषय जा कि । वा मदायः या प्राथिशांक उपक्ष । वह करन (गानी गण जिम गर्मकानिकः उपम्य करतन नम्ब उर्ज । प्रार्थ या क्षेत्र गर्मकानिकः उपम्य करतन नम्ब उर्ज । प्रार्थ या क्षेत्र गर्मकानिकः करतन बर्मः कालत का उत्र कित्र (हर्ष्ठ । ने।।

हु । शियान शनमान्तरका विपाय क्षकिया यस्त्राम कपश्नोशाः। यहरन श्रात्राण जिकाय मूर्नालक्षाः न्या क्षेत्रमधी प्रश्चित्राय नः अनुहाल शियानशनम स्थामुग्य। का विपायस्य स्थ

ब्राम्यम् । विज्ञानीणकप्रधापि यख्युक कोष्ठ। नात्व बार्थिए वदन (खामदा एट्याइ॥ खीधवानि ममरेवर्म यमुनाद्रवरण। जलचित्रणाय काष्ट्र (खामदा जकरण। व्या मानवाकात (परक्रनाहिक (छजना। खन अफिल एट्याइ बामदा (शाधीकना। कृत्यत शमन नथ्य पि (परथ्याक कर्याप्रदा बामा नदाकात शानदाय। खिमर्खर वदन (शालिका मक्षा। क्ष्रभ प्रविक्त रहिंगा खिन्छण।

কিষেক্ত । কি উত্তোবতকেশবা নিদ্যাপিতে সংবাত পুলকি তালকহৈ বিভাগি। ন্দ্ৰপ্তি সমুৰ উক্তম বিক্ষাদা ন্দাহেলব্রাহ্বপুষঃ পরিব্রমূণেন।। ১০

বিজ্ঞানা করেন গোপীবরণীরপতি। কিপুণ্ড রিলে ধরা তুনি পুণুষ্ঠি। ক্টেরচর শেপশেকইল উত্তসর। তাহাতে পুজুল তব তুনুজ্ সব। কিখা উক্ত মের বি ক্রম হৈয়াছিল। তাহাতে ভোষারপ্তে এচিছা রহিল শ্লথবাধরাক্রপে দেবভগ্রান। ভোষাউন্ধারিয়ানিল শালিকন দান। সেকালের চিছা কিবা ধরেছ ধরণী। কিবা পদ চিছা ভার ধরিলে জাপনি।। ১০।

मार्गा । १९१० व्याप्त स्वाद्य स्वाद स्वाद

ত । জ বধ্ববে করি নিবেদন। তোলার নিকটে কি

আন ক্টাংন। অকে স্বাকার চল্করি আন

তি এপথে গেলেন নাথ পিয়ারসহিত।। প্রসির

জ কুল নচ্ছিত। কুচের সংস্থা হৈতু অতিসর

া হেন কুল কুলুমের মালা ক্টগলো। তাহারসো

হিতেহে এই হলো। ১১॥

্ত্ৰপ্ৰাংশ উপধায় গৃহীত পদা রামান্ত্ৰ ভাৰসীকালি কলৈ আদাধ্য:। দ্বামান্ত্ৰ ব্ৰেহঃ পুণামণ কিন্তাভিনন্দতি চরণ পুণয়াৰ লোকৈঃ। ১২॥

ার ক্ষেতে হাত দুরে হরবিতে। কমল করিরী
আইলেন এই পথে।। তুলনী গদ্ধেতে মুক্ত হৈয়া
আইলেন এই পথে।। তুলনী গদ্ধেতে মুক্ত হৈয়া
আইলেন এই পথে। তুলনী গদ্ধেতে মুক্ত হৈয়া
আইলেন। পশ্চতিই যায় অভিমন্দই।। কলভরে আগ
আইলিভাইগণ। করিল পুণাম কটে ভার নিদ্পান।।
আইলিভাইগণ। করিল পুণাম কটে ভার নিদ্পান।।
আইলিভাইগিলা করিলে সবে দ্থিয়া তাহায়। পুণয়ে চাহিলা
আইলিভাইগিলা সবাকায়। ১২।

शृह्यक मान्छ। वाङ् नगा मिन्छ। वन्णाखः। मून्य छ उक्तक्षण है। विख् जुड़ शृनकान (दृशा। २०। धक्तको वद्या धर्मा धन (माश्रीनम् । এই नङ। कत्रि मार्ष्ट कृष्ट परमन। स्वन्ण जित्र वाङ् कत्रि सान्तिनम् । इश्वा स्व दिन्याद्य साम्राम् ज्ञान । छ्या शिन्यिक देव नय हम्मु श्रा मिन्ना। शूनक ह्राइट्ड छ न (एथ विद्या दिन्ना)।

STAPPANTS +

मान विकासका सर्वा विकास राज्य न मार्थेन मनवा व

खाउँ विश्व प्रकार का जा विश्व विष्य विश्व विश्व

उम्र म्ल खनाना ल उ त्र दिव खना जिता । एका ना स्वा गांम खनाना ल जा ना निम्म करें स्थाना गक्टक क इटल विक्रिय में महा गांधा ना करिस्थाना गक्टक मार्ट कि उमना। कि स्वाहित्स के कि का का ना ना स्वाहित अपना। कि स्वाहित्स के कि का का ना ना स्वाहित अपना। का स्वाहित ।। स्वाहित अपना ना ना स्वाहित अपना। का स्वाहित ।। स्वाहित स्वाहित । १८८ ।। स्वाहित अपना का स्वाहित स्वाहित स्वाहित । स्वाहित स्वाहित स्वाहित स्वाहित ।

विश्व विश्व क्षिण्य व्यवस्था विश्व । १९६० । विश्व विश्व क्ष्मित्र क्ष्मित्र क्ष्मित्र क्ष्मित्र विश्व विश् विभिष्ण गर्वे प्रश्निम निष्य । छोश्तिस्थान केस व्यक्ति देन के उसी। छात्र मध्य प्रश्निम निष्य दर्जन किन व्यक्ति विभागित स्थान भूति । ७०।

् 🖹 ा 💮 🕒 🗐 (गाना छेवाह।

শয়ভিতেধিক শ্রমানাবু জঃশয়ভই নিরে। শশুদ এছি। দ্যাজনশ্তাশ নিজ্ঞাবকান্ডয়িপতা ববঁতা বিচিনতে।। ১।

ক্ৰেন গোপীকাৰণ ওচে ন রায়ণ। তৰ্জনে বৃত্থাম অভিস্কুলাভন ভাগ জথিয়াচু বৃষ্ধে এডেন কমলা। শোভিত করিয়া বৃষ্ধে আচেন ক্ষচল । কে গোৰিক দৈখানেও আমা নবাকারে। ভোমার আমারা এই কা ভর অভরে। ভোমার নিমিত্তে পাণ করিয়া খালুণ। চারিদিগে করিতেড়ি তব ক্ষমেষণ।। ১।৷

শরদ শাশয়েসাধুজাতসাতসরসিলোদং শ্রীমুথ। দৃশা। সরতনাথতেহতক্তাদাসিকাররদনিহতে। বৈহকিণ্যধঃ। ২।

भवक्षात्वत्र महाबद्ध विकाशक। महामूब भएएक विकास मुकामिक। स्थामाका कारोहक माथ कति विव कात्र। नवन श्लेक् कारका कार्यक मुक्कि। बार कार्यक महिला देशतमाथ এकार नवहन । शहाक कहत स स स्वयुक्त प्राची কালেও কে ৰাজিত কলপদ প্ৰসাক্ষার ও একিনয় ভবে বধ কি প্ৰায় হয়।

् विषयमाभाषामा त्राक्षभाष्यभाष्य । देवन् १६० विषयमाभाष्य । देवराभाष्यमाभिष्य । जन्मभाष्य । देवर्गमा

রক্তি সমূহ: । ৩।
বিষয় জনহৈতে করিলে রক্ষণ। ক্ষমাশুর হৈছে ভয়
করিলে ব্যরণা। নিরন্তর পুরক্ষর করিল এশন। দাবণ
প্রন আরবজু নিপতন।। ভাষ্টিহতে রক্ষণ করিলে
স্বাকারে। ক সহৈতে প্রনণ করিয়াচ্কপাকরে। অবঃ
ক্ষমাভয়হৈতে ওকে ক্যান্ত্রা স্বাধিয়াছ বারেই হইয়া
স্বাধ্যা ৩।

अ नश्रम (गाणिकानम्स्ति। ख्वानिश्वामिकाम्स् विकास व

ख्रिया भाष्ट्रा निष्त्रसाथि छ। विष्तु स्थापित्र स्थिता भाष्ट्रा भाष्ट्रा । अ।

ष्टा प्रमान (कवन समिन्धः। मक्न श्रानित्र किस श्रामका प्रमान किस्तान वादत्र । (मर्ड्स छेन्स विद्या स्पर्यत्र सर्वा नाकत्र डेरमका नाक रंगांशक। अक्टरमा है।

্ৰির্চিত।ভয়-বি ইধুর্যভেচরণঞ্জীপুরা-সংশ্রেভ ভয়াত। কর বর্ষেবছণ কৈ। ডকা সদত: শিক্ষালি: ভাষেত্র জীকরণ কণ্ডিই।

্ত্ৰিক হার ভারেতি বার্গতি আর্শিক ভরণা ক্ষাণ্ড করেছে ध्यानि **छन्न विनामन। (य वैक दक्षत्र मुक्टिन विदेशक्**याञ्ज व्यक्तत्र क्रमना कार्ट्न कहित्व म्बान्स मि । अरङ्गाउत्य করে: সৰার কামপুরে 🖫 ইম্বকর প্রেক্সবাজাল্পিকরে 1011 GALCALE मि:इ! ७। कि बंबेबना विभवेगे हैं स्वाधिक नियं कर्या है। तम ही िम **विज्ञानकार्यान्यक्तिकार्यसम्ब**न्धसम्बन्धसमम्बन्धसम्बन्धसम्बन्धसम्बन्धसम्बन्धसम्बन्धसम्बन्धसम्बन्धसम्बन्धसम्बन्धसम्बन्धसममम्बन्धसममम्बन्धसमम े **नेकाक समावेश कियान**ी जातानी जातान समाव १७८० युक्तसभागात्रकोरते य तत्रकाते निर्वाणम शास्त्राय रहाना , अत्त हर के भागनी, विकृति एवस इन्येश गंग ॥ उसर जुट्थ (मथा ७ न ८०१क कामन । एष हेर् प्राप्त अहरू । ए मिल के मिल के बिल के बिल के बिल के बिल के प्रार्थ

তাত ফলিল পিত। তি নির্দিষ্ট ক্র কন্স চ্যু নাই কাইছার্ছ। প্রদানিত চিন্দ। না পারভাবের পাল সাই যোশগুর বিশান্ত হৈ হাপন্ত বার্থাত গলা। একপার্টর প্রদানিত বার্থানে বিভা ফালির কণার মধ্যে করিলে অপিত। লচের উপার্ট্য জীকীর কে অপুনি প্রদানিত স্থানিত হালিল ক্রিন্দ মধুর ইংলির্মী কল্মনার ক্রিন্দ স্থানিক রালিলরে ক্রণ বিশিকর রিমার রমুদ্য ক্রিম্প সাম্প্রান্ত রালিলরে ক্রণ

ত্তিতি কিবলের কিবল বিহুলার ভিন্তি কিবলের বিহার বিলাল। যেই বিহুলার বিলাল। যেই বিহুলার বিলাল কিবলের কিবলের বিলাল বিহুলার করে করে বিলাল বিহার বিলাল বিলাল করি করে করে বিলাল বিলাল করি করে করে করে বিলাল বিলাল করি করে করে করে বিলাল বিলাল করে করে করে করে বিলাল বিলাল বিলাল করে করে করে করে বিলাল বিলাল বিলাল বিলাল করে করে করে করে বিলাল ব

किनेशित करम नील कछरेल वंकश्रामन । विज्यो । नक्ष । धनप्रक्षण प्रकाश्या एक्स निम्माप्रका बोद्रयाहिन ॥ ১२ ।

भेट जबको बे मुंड करड़ (यह इन । कम नमा छ वरा शिकरत बाही पेना था भी माखर न ब एवर कब देश खुना। एन कर शिक्ष खनर है व बेना। जिस्से व नमर ब एक प्यक्ति जुन व । उस्न पिश्वा काम खान कब खिनामा। ५० ॥ १०

् भूत्रं क्रिक्ति हैं भिन्निमान्त्र स्विक्ता गुना गृहे ह

শিত্র শহতরর গবিমারগংনগার বিতরকী নাজ : বিবাস্তর ৷ ১৪ ৷ ৷

সুরতের প্রদাক শোক নিধারণ। সমস্ত মুর জি সাজ। করতে চুম্বন। অন্যাতাপ নিবায়ণ্য সকলজনার। ওকে বীর ভোনার অধ্ব সুধানরে । আমা স্বাকারে ভাক। করতে শ্রান। তব অদশনে হায় গোপিকারপুণি। ১৪

অটিভি যন্তবানত্নি কানন কাটিয় গায়তে জামা পাশ্যতা পাটিল জংলা জীমুখাইডেজড়উল । কিন্তাৰ পাসকৃদ্শাৰ । ১৫।

स्वित्व यथन यहन कहरह शामन ॥ नारह शिरखोबाहत नाथ (गान (गानोगा। कागाब नमग्र गर्ग म्लाइ न मान। लगः पिन ध्वन्यत्न माहेम हगदान। महिन क् हल उद क्षिम् मखन। एश्विट्ड एक्ष्महग्र नग्नमकन् डिक्ट्ड नग्न कहर्य निज्ञोकन। डाट्यबिश (कन देवन निर्देश मृत्वन । ५६ ।

পতি স্থানয় ভাত বাজৰানতি বিল্ড হাতে হয়।
চুড়াগডাঃ । পতি বিদ্তুবেদগীত নোহিতাঃ কিতঃ
বিশোধিতঃ কভাজামশি। ১৬।
পতি প্র সূহাদ বাজৰভাতগণ। সম্বারে ভাজামানাৰ
ভাইলান কাননা। জাশায় ভাইলাম নাথমিকটেছো
কারী ক্ষিত্তমানহ্লাপ্যন গোপিকার। ভ্ৰমব্লির

80

गा। अद्द निर्मान का निर्मान की निर्मान के निर्मान के निर्मान कि निर्मान के निर्माण के निर्मण के निर्माण के निर्माण के निर्माण के निर्माण के निर्माण के निर्मण के निर्माण के निर्माण के निर्माण के निर्मण के

বিজ্ঞান বাৰ্ত্বা যেই কর পরি হাৰ প্রাপ্ততে হাদয় क्य मण्डलकामाः व्यस्य मक्छान्। स्थितः विश्वासः विभागश्रम्दा भए। वृद्धाः अवस्थाः भागस्य (स्थिह्य स्थार क्युम्बिलायः रमन्त्रश्यादित्याकिकस्त्रमः १व । १९ हे अध्यत्नी क्लात्मा कित्ला दः देशिन च्छान विश्व ्र भवात्र । काकशनाक वर्षाः ए व्हाजासा यसन **東京学門 河東東東京は 2000日 1** 2000年17日 1 200 अवस्थान जनकार भारत आदि । जनवान । पुःशनाः भवाद्यः विष्यः म ज काञ्चित्रः न्वर्ञातः। **它在原用可以不够的,但是在他们的一种,这个人的一种,但是是一个人的一种,** नाच विष्ठ करमान १५केम्मिक्स अन्ति। साम (धारिकार भागा स्वटः इम्द्याल्या क्रियामक्ति। এकन् अविव धीयाकामेरक बढ़ा किए। एक्ट्राइट हमा एक एक एक है। व्यवसम्मोक कत्मान मान्य जन्मम् को काः भरेनः लि क मिनिक के लामा है एक नाइको बर्ट निजया **भारत कि**

कार निम्न महिना है जिन्हा में कि अल्पान के कि का कि क

प्रतिमाह के क्षेत्र के कार्य के कार्य के जा कार के जा कार्य के जा कार के जा कार्य के जा कार्य के जा क

रिकेट र राज्यात शिक्क हिना ।

श्वत्वतः मृतिविक्षिक्षयः। १। (भागोगः पित्रविक्षाः पिति। मित्राः मित्रविक्षेण स्ट्रिंग् (सर्वे महाम्य देपवि । भी अवस्य भद्रिवीच वर्गमान। गरम सम्बर्धः स्ट्रिंगः स्ट्रिंगः स्ट्रिंगः

न्त्रे कर है नश्य नेश्यक्ष भागित्रका गर्दा है। . शिसक्त बीक्टक्द मांच यागमन । यानत्म " गृहा क्ष्यक (मार्थाभाग। এककारन (मार्थाक्नात रहेन देश) मु । स्टामक (यन्देवन श्राप्त विमार्गान। ७। কাচিত করাখু এণ শৌরেত্র প্রেপ্ত লিনামুদা। কাচি, स्वात्र वस्य स्था प्रमान्य विकास (कानरभाको कन्न परम कहिया याजन। श्रीकृत्कत कदश्य क्रिन श्रुज्ञ । त्रुष्ट् वाष्ट्र श्रुज्ञ कत्रस्य न्यान्टल्य । চিকণ চন্দৰ লেপ বিদ্যমানে বাত্তে। ৪। कार्किक विनाग्राक अभीकायुग विविध् । এकाउ म्भूषिक्रमण् नवश्चाखन्द्रशाह्माङ ए এক গোপী ব্রিরহেতে ভাঁপিত আছিল । ক্ষের চয়ণ नमा हर रव प्रतिका । (कान (गाम) या गन यक्क नि १ न। क्षिता। जात्र न हिंच क्ष्य रहेन हारिया। द क्रमान्द्रियादया १९ मस्या स विक्ना ए हि ति । कल्कितिकरेनः जन्मस्मिन्द्रमा ७ <u>ण्यम् कारणस्य (कर विरुक्ता स्टेयाः) व्यक्त प्रणाम</u> **हारण ज्ञकृति क**तिया। कहे। क व्यस्करण शिरम क दिन काएन। अवैवाश कुरुनुश्च करत नित्री स्थान अ व्यभवार्विययप् गर्धा । द्वारा एयु या युक्त । वालोड बिनाज्गाक महत्वहरू युवा न

त्राजशकाष्ट्राय ॥

विनिषयनगरमञ्जलान लाम वीता। वृश्यू कीर श रहेशानिमाकृती। येख तस्य कड उंछ नाहि है क्षण्या मार्व (यमन मार्व कृष्टि नम् । १। **७ १ का कि साब तरकृष क्षा मिक्का मिक्का है। शूलको** क् । नगृह्याति (वाशिवानम्मन मुका। हे-रक्ष्डाटक मध्य नियटक चाक्रविद्या। नक्षम संस्कृति पि द्राचिन धतिया। लगांक छ रेस्ट्स बटन टेक्न ज्यानि कन। जानरचरछ मणन एव त्यन त्याणीकना ह-जहां खाः किन्यारेकाक भेतरबाक भवं निवृष्णेः १ बार्च विवर्ष बारानः नास्त्रभ नाना स्थाबनेह । अ निष्मत नन्द्रने (मृथि एक (गानीशन। नम्भ छेलम्(स रैग्न चार्नाकेल मन। विद्रम छनिछ छन एरेश (नाहन ्राञ्ज नव रणत रामन गृह स्त्र चन। ১ তাতি হি'বৃত্ত শোকাভি ভগবানচ্যতোহবৃতঃ ৷ ব্যৱেছ **इंडाबिक**ी डाक्ट्रक्यः लक्किविया। 🞾 (म्।क हीन (न्नानिष्ठ (बाक्येंड क्रमवान । व्यानटन हो। ইলেন অতি শেতমান। ওছে দৃপ পরম পুক্র নারয়ে ग मठापि मिकित मर शकानि उ एन। ১० छाःम बामास काकिन्माः विविधा शूनिन विख् । विक्रिक सन्त मनात मुक्का मोल यहेले मा १ ३३ ফলকৰ্ম মন্দার সুধুতি সুদানত ৷ তাহার প্রনে ঞ

HATTON STATE ः दर्भ कर्तन वित्र कृष्ण शहः नरभगः सन ा अध्या **भागवाच्याक मन ५००**० छ। ा थउरमाताकनः लित्रः । कुरु द्राः ा वादावाक्त्र । ३३ - १३३ क विश्व प्राचित्र विश्व हर्ष ं वर्षे श्रीमान (प्रिया) महिला । व THE DEPTH STREET STREET ं वराह्मा बेटा द्वामित है। ः विशास्त्रवाहिङ । गांगरा विशासक्ड · / >*. (, . प्रक श्रम् द्रकामस्य वर्षा १ ल छ क्षा विश्व व्यवस्था महिल्ल विश्व Met4100 ाक्षानम् व्यात । जार्य प्रक ाइन सरनावस मृत्येहन यक (गाम) क्षान स्वप्रक्रिक्त । जानवनुद्धिता ः । यभिरक भागनिंदियन पेख्योदसन ः भवानः बर्धेयद्वा (यारणयं भारतः प्र क्राम्द्रणानी भारत्यपगटलाहिक ्या (माक्रिक जगवाना (म.मा नजा

चार्त्व प्रवासिक रणा काला न । देवान का र साहन में श चित्र ताव स्वास । काला प्रतिक चान क्रिक रेहना (शाप नावी॥) 8।

লভাজৰিখাত মনক্দীপন্স, নহাসলীলেজণ বি জুল ভূবা। সংশাদনেনাক কন্তাপ সি হত্তেয়েঃ লপ্তত্য ইবত কুপিভাষ ভাষিরে। ১৫

व्यवस् प्रीममतुम । पथि (मानीनम। वहन दुनुत्य छोत्व कांद्रधा नुस्त । स्थार सारम जीवा किंद्रधा हा स्वित । हा न्य विद्यात्मत्त अकृष्टिन किंद्रसा दियक (कारमञ्ज कि ह्य बदम स्वहन । विद्याद्रकारण कत भव किंद्रधा मध्यन ।। शृह श्रास्त्रिक (कारमञ्ज विद्यान किंद्रसम्बद्धान किंद्रसम् किंद्रुक्षेत्रक (कारमञ्ज) ३४

প্রিলোগ্য উন্তর্

ভক্তাৰ্ এত্যোক এক এ গ্লিস্ব্যা ও বোভাগাৰ

ध्रिक् का का का विक्री में का नाम । जाणीन निक्क का का का का मान । एक ने खंडर पाद का कि मागरत । आबन खंडर का दा खंडन सुनारत । (कहर क्रिक्टन नाकरत खंडन। परे प्रक मरकह युवाह जन। क्रिका का का दा का का का का का का ना रयह मेम जोबदा जेशिन (गाणिकान, बहैकेश खनि

अङ्गवानुवाह।।

शिर्वाच्यान्ति (छत्रवेतः वारेविकारकाक्। माहिर**छ**। न छङ (मोह्नम् शब्दः साथाश्वरिक्तान् रथा। ३१। विक्रांमिल जानधनर मभीगरा व्यवस्थकत्व कहि শ্ৰুর বচন। যেজন খাহার করে নিত্য উপকার। তার পুতি উপকার উচিতভাহার ! ভিলিখেতেত্বৰ প্রঃসেই क्टन ब्टल । नायथान टेक्स (नई आशनात्र काट्य। ३१ **जंबर। जनकारवरेंब कवनाः निकारो यथा । यस्त्री** नित्रभवारमाञ्ज (भोङ्मक्षम् मध्याः। ३५। उत्भवी मुर्थम्य लोहाचनारुः। लामहिनतम् , (मज्ञत्मत् कृष्णा माउक्षत्व छ।कृष्णा, प्रकृत्य छज्ञा। अ उस भुकात मधी करा (महजून। प्रदायान स्म वहम्छ णाञ्ज्ञ । अथवा कननो शिक्षात नवरवहेरुग्र। नम्ब क त्नत है एक छेलक्दय षये। लिखा माका मंभात्नत भूदत काभक्य । ३৮

स्वर्टिशिन नरेनद्विष्टिस्तसः स्वर्टिश्वसः स्वर्यसः स्वर्टिश्वसः स्वर्यः स्वर्यसः स्वर्यसः स्वर्

हामकात महा। अवका हन। वाना खन वृद्ध नोम (कि)। हात हिक । जात अकान मृत खनदि विभिन्न , गुन्तर ह ही बातकन विश्व भावन , क्षेत्रकाल कवादित नाक्दर कराहन ॥ उठा।

मार हमरथा उन्नाहार के उन्नाम मेथान पु निवृद्धात्व । यथा स्थान । क्या विषय निवास । का कार्य व्यामाद (समनवानित करवथान । का कार्य ना कांक कामि क्ष्रथा गुमान । क्या नह स्टल में ने वा मारह (स थिक । कार्यक का नाटन पुनः (नकनक विक । वाक क्या नाटन के कार्य पुन्य का मार्ग (मिथिएक ता कार्य का मार्ग ।। क्या किक म् को छ है य्थ (मध्य का निवास का मार्ग का मार्ग का निवास के नेने ।। महिर्द्राधा । धामरक का मार्ग का नाम स्थित के नेने ।। महिर्द्राधा । धामरक का मार्ग का नाम स्था का नेने ।। महिर्द्राधा । धामरक का मार्ग का नाम स्था का नेने ।। महिर्द्राधा ।

व्या मध्यादिय छ । तार दिन यो ने विद्या मण ने जान विद्या मण ने विद्या

विभावत्यर्भः निवयस्था यहा समिष् रि । था य ना भिष्ठ। य या छत्तेन ए इस्तारमहर्भ्या नी अस्का असः लुजिया जुना बना।। २ २ व 🖂 🏳 🌣 🖒 🗇 ভবিলে কেবল যোৱ চরণ যুগ্ৰা। অসংখ্যাৰ পাসি बार्निड नरुष्त । छात्र (एई जोडच न कतिनार्न मण ड তথালি ছিলাই ভোমাসবার নইছি। কর্নণ করিয়া বত্ করিয়া বিজ্ঞাপ। আছার লাগিয়। যাত পাইলে ने शिशा स तथ दन था कि सामि समिता में नवेने ॥ ्राणां व वाचा व द्वारन क्रिक्ट (क्ष्यन धः अव्यक्ति चारायन है। नाकत भवनः श्वाभीनम् जिल्लास्नातनाहि चन जन। भागक वार्य केंगी धर मही गर। शहनार्च हथा यहिने (एक मेटव जन १) कड़िटल छेड्स मेस् आभाई रे र " एके गरल वज़के जा वि भ देना व वा वि ज । यति विधिन मधी गत्रमात्रका । धार्मा (माबिटके जिन् मी भाजि निक्छ। उष्टे पुष्काश यस निश्व असमा आर्थाओं जागिया खारे। कदर (हपन ॥ जकन छ। किया (जार्ग) করিলে আমার। এতে কি করিব আনিশৃতি উলকার शान कित्रता (य अभि जाभनात भूरंग । महिन अभि भ

ইভি আভাগনতে মহাপুরাণে দশমকলে রাশ স কাড়ায়াণ ভাতিওশোহৰ গায়ঃ হাই তা

र्यामि अञ्चल त्यां पटने ॥ २२॥

भि शक्त गद्दान त्रामकिना को स्थानाम् ना मकरम भी क्षणक्षणन्। द्राममक्षणा श्रे अववरित्य सन्। १० के भेद्र श्रोमम स्थरमज दिवद्गानाः २२ ।

See gale if the contract of th

ं केश (क्रावर्क) (शाश्राह न डाबाहः मुरलनगः। ; करुविवर्का लागा जस्ताग क्रिंगियः।)।

खरवादान अन्य कि। कई ग्रंबधान । ज्वःगत्र अन्य त न्छन स्थिति । अहेकला गोप योगाना नाग्यान एका स्थान स्थापिक देशवा (मानीश्य क्वे अन नर्यहेश्य खरि मानिक्छ छ। जिन्न नक्व छ। विवर सान्क

छ बाद इब भावित्सा दानको अस्व देखा । की

इंडिसिएड शृटिंड त्ना ना वसरे हिंड १२। तामताल बादो प्रत्मन शादिस्त महेब्द्धा १० गुड मुक्डो इड्स १० विद्धा श्राहणात दाइ सक क्षि ध्याली भग जात घरणा महिंड क्षेट पति व्यालक्ष्म । तास्ताट भग श्रुक्ति व्यक्ति स्माहिंड स्माहिं। शाम क्छे लाभी भुखान गृहिंड । २॥

बारमाजमबः मानुबर्ता शाली यान मृथ्छः।
स्वालम्बद्धन कृष्टेन जामान अद्धावस्त्राच्याः।
स्वारमञ्ज कृष्टे साम वन नुकालिस्न । मृहेर स्वानी
मर्पा नुविके हहेरनम । ०।

शामानाम्याकाराः क्षेत्रक भारमामा । तडी श्रिया तमनीत्रमन आर्प्स (भटके हिम्प्रतामन देकन मदनाएउ लोट्ड। ३ ह ্ৰ কাচিত সমা অহাপেন শুরকান্তীর মি শ্রিভা। উনি (म) मृजिल्वा उन भी ग्रहा माथुमा विकि। २०१ 👙 रकाम्हणाभी मुङ्ग्लान नारम श्रीक्रमान। सक्कापि खत्नतः

आवार्ण नाविनान। अछिन्तिकः शद्यकारश्यामाः मन्पन । नाश्र वृत्ति छाएक कर्दन अपन्य १६।

ख्टाप्रका अक्षित्व। छरेम। मार्निक युष्पा छ। का कि ा भूग भविणाका वाष्ट्रामा वाष्ट्रका व्याहः

া বাছৰা ইন্ধণ প্ৰথম্ভল ম জিকা। ১১। मुद्रानाटम बिट्न मृज्यास्ट्यः (यहेब्रान । स्टाट्ट निकानान र्गाणी कतिहा मिनान। উहर्मा शास रगाभी बदनारत अर र प्रात्क श्रमभा क्य कतिरवान कारत (कहर (म भी भाग करेंसा बान द्वा । दवस संक्षित्रा गरिमाक अटब्रह्म । ३२ । i in The Section

ভবৈকাশৰ সভাবতি কৃষ্ণৰ গ্ৰহ সলকীয়েও प्रकल्पनी भिर्द्धमा शहर वाहा हु**षर। ३**२ । । । । । कृत्कत्र कत्सटक याक् पित्रा हा छोहेन। वानिवन कति कुक निकास दिला। উख्या त्म त्र खाँदर शाहेन रगारि मी ठकान राजभान (मृथि शुक्रक कामिनी है र में भी कलाण जिलोबंदेश विद्याशिक। क्ष्मेंदर्श दुवन कविना षान[क्लड। ३२।

मर्थ मन्त्रवंशाह शुक्त म चित्रक्त । ३०। भर्थ मन्त्रवंशाह शुक्त म चित्रक्त । ३०। जा शाली न्व १६६२ व्यक्ति हरू १ त इन व । १८७ राधकात समामक। जाइना छ निकार कि आदिही ना कामिर ३२ किल लाव म चर्च भा ३०।

मृत्या विश्व को विश्व के तिया के तिया । कार्य अति के के के कि कि कि कि कि कि को कि को कि को कि की को कि के कि को की की की की की की की की की कि को के के की कि कि की की की की की की की की

काउट रह कृत्त रहन । कुल्यक अर्थन के कुलान कर्यन बहुत अर्थन स्माधिक व स्माधिक अर्थन के स्माधिक रहन कर्या बहुत अर्थन स्माधिक व स्माधिक अर्थन के स्माधिक रहन कर्या काउट रह कृत्त रहन । कुल्यक अर्थन के कुलान कर्यन

विष्या करतन मध्य यामा न्यू उठा । ३०। करणां ज शकाक कि विष्ठ राजाश यग यक जिल्हा गनश मृद्ध (बाबवाषाः । (श्राणाः अस स्थादकान गृद्ध य क्रिनु जनुरका जुनद्व भागक स्थाला (५)१९ । ३७।

नवात्रणुद्दश्याः छिष्ठणाः छेत्। यजकात् क्रणाः व स्ट्राष्ट्रम् एणाः छन। विष्यु २ वर्गा बर्ड्यमनकस्या। वन्न ब नुभुव बाम्यारकक्ष्रम् । सनिरमञ्जूषमाः करती

কাণোপীগণ কৃষ্ট সহ অনন্দিত চিতে। সকলে করেন মৃত্যু সেরাস সভায়। ভ্রমর ভুরীবথা গাইছে জীলায়। ১৬।

व्यन्भित्र श्रम्कत्रा जियम सिर्विक्र देश मिन विश्व क्रिक्ष क्

क्षे विशेषित (गानि चाकुल क्षेत्र। यश्रम् जान चि क्षित्र गामित न। श्रीमन मुकुलक्ष्म कुल्क दमन मधित नार आणि यान (चहेत्र। छन १ भ मशन (गानी चानम मागदा। चाननारक विश्वित (म त्विर्ध नामादा। अ

কৃষ্ট বিক্রীভিত' বাক্ষ্য গুনুহু খেচর জ্রিয়ঃ। কানা দিভাঃ শশাক্ষণ সগণোরি মিডোভবভ। ১৯। লোকে বলে অকুল হইল গোপিগণা দেবনারীসবা কার হইল মোহন। দেবনারীগণ ছিল আ কাশন লো क रके अविदात (मधिरमन मण्डरमा। (एए मा हो भग कु कारमट्ड निष्ठोड । यशन लमा इति विष्ठे विष्ठे কৃ**ত্বাজ্ঞাবভ্যাত্মালান^ বাব্জী**পু হ যোগি ভঃ। ও ্মেলভগৰা- তাভি রাত্মারামেট্লি লীলয়া ২০ যত গোপিগণ ছিলেন জীৱামন্তলে। ডণ্ড মুখি भाविष हरलन्धकुहरम। आशीवान समाशीकाभनि **ভগৰাৰ। ভথাপি কহিলারাস বিলান বিখান। ২**০। े जाम। यो विरादित मुखाना १ वस्तानिकः। गुन कल कर्नाः रभूगमान् बरममान गापिना। २०। त्रको दिहाद्य एक माम रेहन (मा. भी भन। माया एक व्याधन रिश्मि नदाइ बरना नम्य रहेक्वा निक क्यनीय करत । मृत्ह्र नदात्र गुथ एतिर अञ्चल २)। (भाभाःकत्रक भू हे सखन बहन पिछ्। शख स्ति। अविख्यान नितीकरणने। सार-मश्का ध्रयसाजितुः क्डामिल्पानि उडक्र सहम्मान न्त्यामः। १२ শ্রেল শন্তল ভান্তি গলের শোভায় । পানুষ প্রায शाम हार दिनोगा स । (गाणी भग क् छि ए कि कहिने भूड म व्यानल्यटं क्टेयन करतन शासन । क्टेंड প्थात ने शत्रण रुट्ड । चानु निष्ठ रेर्या मध्य गान रत्याः । ভাতিবুতঃ শুমমপোধিত মধ সদ হটি সৃধাঃ বিক্চা বুকুম ইঞ্জিভায়াঃ। গদ্ধৰ পালিভির ুদ্ভ আবি

শধাঃ শাভোগাৰিভিন্নিভ রাজিবভিন্নভঃ ২৩

ाम किमासिए करने (साई श्रमण गरने । क्रमाको के इस् वंत सामनिक करने । सार स्वयंत्र भूगो नीना १ एवए ह क । कर्षण कृष्ट्र प्राचा गर्मा ह सिक्त ।।। जाव सर्क व्यक्तिकृष के एवं । यावह सिक्त क्रमा श्री प्राचा क्रिक बीनाय । का बारक क्रमान क्रमान व्यक्ति । क्रमान (किन समी मूल्ल्ड (मिक्सा) क्रियो, महिल (यान क्रमान किन । वस् विस्तिक) (यान कर्मा क्रमा करत क्रमान (कर्म स्वाह कर्म विस्ति। विस्ति कर्मन

त्याह्यम् तनः पृथ्विधिः भविष्ठित्यानः त्याक्षकः धूरमणे विश्वित्व स्टारम् । देन पानित्यः प्रमुख द मिल्लीकृतात्मारस्य महत्त्वक्षत्व भरमन्यु स्रोधः। २८

TELLIPHELE

रमाभीभग । गटबन्द् नमान जीना करिया बटनः। रमाभीभग एवरिकटेश्या मुत्रकिक। २८।

एक करें है। प्रशास खन एक नुस्त शका निम सूर्य पिक छाउँ। प्रशास खन भूमपानिया करका यथा मृत्र हुएक विक्रमः करवन् जिल्ला २ वर्षा

खाद भरत के करे रेट्स खेटिया ग्रांट वा । यम्माय खेनहरू भरता गृद्धिन्दा समस्य क्षय मृत्या भद्मश्रद्धाः कि भ त मृत्रिक करत रस्तेत्र क विरम्पर । खंशासिषाद्वर क्रेडे भूमना रमिक । हाजिभारमा न्यांवासम् गास मृत्रांवाक समस्य करतो रथन कतिभोदमहम् । कथाक्रि विरात करतम् छगवरम । २०।।

এব**্ শশাকা**ছ। বিরা**জিন্তা নিশাঃ সমত্যকামে।** হনুমভা হলাগণঃ। বিবেব আতান্য ব**রুজ** নোরতঃ

महा जार कार। क्या हमाणुइछ। २७।
माण का किंद्रण (माणिए निमाणण। त्यद्व किंद्रण मृत्य त्र भीण वर्ग जार कालीन यक कारा कथाएउ। स्मादम याणुत निमा कांचे छेणानश्च। (इन निमा स्मयम किंद्रणा (शाणीमत्म। स्माहिए किंद्रशा मत्य (याण मना बात्व। कात्मद्व किंद्रशा कर्त्र (शाणीद्व छोयना। नक्म माम राज्य क्रिया कर्मणीना।। २७॥

Calle Salva

न-श्राम्यास्पर्मा निम्दास छत्रमे । विर्विता कि कश्यमन त्म वह निमार्था । २ व । भतिकी के नाम बर्गान कर बनियंत्र। है कारक रहेन मध मरमा र विख्य । इति । एक विश्व विश्व विश्व । बादा देन किन्या संहेटलन सन्दर्भ र १ भाकना समा स्मान्ता नका सवाकि अभिना गुर्जीय WID FOR PARTY PARTY PARTY OF THE PARTY OF TH क्षेत्र भाव संक्री विक्रियम केला देव । करिरंक अब प्रम केर्त्रम मानवा छर्र किन कितित्वन व्यव्य जाहात भ ধের যুবভি করে করিয়ে বিহার।২৮। 🤒 वार्डिमादमा भएनाँ एः क्षेत्रकारेन क्रान्तिक । कि अखिलांस अख्यः जनमहोत् दिस मुद्दा रहा ज्यक केरियर किनि भविभग एवं। एटवं दक्ते करत म् निनिष्ठ कार्यता किहरात अधि भाष कर मूनियन भारक मित्राण कर कट्ट देशा शोधन । २३। शिवक क्यांश

रम गाजिकन मुद्रे नेश्व गार्क नाहने । (छकी जना न पानाय नाहन व इ छुटका गया। ॐ। धन रहन धन छह नृशक्ति नवस। बेस्स गार्म हिस्स ध्या आहे कथी ध्रेडमारम (मध्र विषयमगाव । वरणता ध्राप्त कर्षा करत्व विषय । एक (माप्त नारि गांद्य रेडिक्सा नगरन । मत्य (मध्र नृष्ट मञ्डल क्लान्त देनेक्ड मधावत्यकाल वनमा शिर्म नीधनः । विनमा ख्राव्या हु। ए। धारमानु। जुरन विन्। २)।

मेचारत्रेत याज्याचिकांभत वाष्ट्राता। यादनर व्यवस्मकतिएक नाटत कात्रा। यूष्ट काट्य यपि करत्र (केन व्यावद्रागा कप् नायविष नाटन व्यवसार संत्रा। ७३।

विश्वताना ब्राइन छ । उर्वेषया हा त्र किन । उर्वेषया हा त्र विश्वता । विश्वत

कुनना हा दे हर विश्व विश्व हर विश्व विश्व हो है है । विश्व विश्व हो है विश्व विश्व कि विश्व विश्व विश्व कि विश्व विश्व

कि-डिशिन मठाना दियादन दाहित्योकमान हे नि वदण्ड नि उद्यान । वनता वनता वनता स्था (पर यर गण न्यापि यनमध्या। वेश्रावद्र अव कि छि रेश नर्षन। हेराता सपानि वस नार्य केटबार्क हैरात किश्रिक्ष श्रदन जशास्त्र। श्रेषद्वत्र वास् एक कर्य (उ वयन केथे (मन्द्र) नित्रक्षणा अन्तरम् तासन् । ७३। सद भारतक इत्रागिनित्यद ज्लाः। त्याम भूकाव विश्व जाधिन कम दक्षाः विश्व कार्डि मुन्द्रशाहि जिन न्ह्रानोद्धत्याष्ट्रवाञ्चन्यः व्यववयः। १०६ न्द्र भार भक्षन्त्रान निरम्बिया। त्वववषावन विकर न्यानिक रेस्सा। अकाराज करण (महे वस नाहि धन विषय करनेत अस क्षरेत र बन। त्यागबरण करावक का विश्वकयात्रा। मुर्गुर्छ धूवन निष्ठा विश्रद्धन खात्री ७८३ म् जब अख्यामिलगदान। स्नातान्दर शहराहन णादनक विषान । ७०। (शानीना) कल मिलनाक मरनदशारमन (हिमान् स्मार्यका जिल्लाक्याका अवस्था को छन स्मार्थित । व्याव्यक्तर्राख्यार्यक अयः क्रीक्रम (प्रकार 🐇 मण प्रथ लाल द्यालीकात लिखन । जनत्त्रस्य

क्ष प्रश्निम्बर्ग । वृष्टि नाकि सदल (वहे नवार क्षान्तः) द्य । विद्यार ज्ञान विकास के क्षाप्र स्व । जिनिसक्ष्यः द्रिक्ष वदमाना नग्तन । चीलाग्र नदेवत्र (वह कृतिश्व) शक्षः

क्रिमास् क्ला विज्ञान नरं कराविक। वेकालि नरनारं া করিও পরিক্টার ৩৬। बिनु गुरुशेष खेळात्री भारति पर रहके थि ३०१ हा छ छ जाम्भीः कीकामाः भ पुण्डस शत स्थत्त । ०१ ः म कीरवर्ड चार्म्टक कात्रम । नरत्र चाक्छ कत्रि নারায়খ। ককনাশাগর হারি ইকার ভারম। জীব तिहर्षि करेण नानाविष्ट्रमा दे पत्रसमानमा कनाहि. वित्र। स्वा देश न्याहित्ल एव शाशहात । २५ : नुबन श्रेष्ट्राय त्मा विख्याचना नावास्त पर् मध मानासङ्ग्त यान योग मोद्रान व्यक्ति महा ह नुश रुक्त किर छर कमा कुक्मां को सामग्रह करिल किन। यात्रारिक त्यां क्षिक देशका नकरले त्री स्था। (गा न्न हिन्न (कर दुविएडवादिया विसर मोत्राजनपारह ল পাশে। এবপ বুবিশভারা যায়ার বিলাসে। ৩ क्षत्राक छेशाहरक बाजु (पबाजू (मापिछा: । व्यक्ति ্যায়ৰু লোপ গ্ৰেষ্ঠ্ৰান ভগৰত প্ৰিয়াঃ। ৩৯ ক্লানি শ্ৰন্ম হেথিয়া ভগষান (গালিরে কহিল) विश्व विवाहान । कृष्कितवारम् स्थारम् स्थारम् स्थारम् विष्ठाम (पन्न नक्त (य्योच खदन। ००। काष्ट्रिक वस वश्राक्ष विषय विषय महा मुक्ता म् म् ग्राम्थ्य गर्म प्राः। ७ कि न दा । ७ ग

11: 東北京中国 美国 1918年 (東日本) 11